



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

### PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1408।

नई दिल्ली, ब्रह्मस्पतिवार, जुलाई 26, 2012/श्रावण 4, 1934

No. 1408।

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 26, 2012/SHRAVANA 4, 1934

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 2012

सं. 8 (आर ई-2012)/2009-2014

विषय :—विदेश व्यापार नीति (आर ई-2012) (2009-2014) में संशोधन।

का.आ. 1707(अ).—विदेश व्यापार नीति, 2009-2014 के पैराग्राफ 1.3 के साथ पठित, यथासंशोधित विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, एतद्वारा, विदेश व्यापार नीति, 2009-2014 (आर ई 2012) के पैरा 5.2क, 9.12, 5.3 और 5.11 में तत्काल प्रभाव से निम्नलिखित संशोधन करती है:

2. विदेश व्यापार नीति के पैरा 5.2क के उप-पैरा (क) में संशोधन किया गया है और अब इसे निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

“मौजूदा संयंत्र और मशीनरी (ई पी सी जी अथवा अन्यथा के तहत पहले से आयातित) के लिए प्रारंभिक लाइनिंग हेतु स्पेयर्स (रिफर्बिशन/रिकॉर्डीशन र्पेयर्स सहित) मोल्ड्स, डाईज, जिग्स, फिक्चर्स, औजार और रिफ्रैक्टरीज के आयात की अनुमति ई पी सी जी स्कीम के तहत दी जाएगी बशर्ते कि प्राधिकार पत्र जारी करने की तिथि से 8 वर्षों (शून्य शुल्क ई पी सी जी स्कीम के लिए 6 वर्ष) में उपरोक्त पैरा 5.1 और 5.2 (पूँजीगत माल के आयात के लिए) में निर्धारित निर्यात दायित्व के 50% के बराबर निर्यात दायित्व पूरा किया जाए। यह हालांकि इस शर्त के अधीन होगा कि उपरोक्त र्पेयर्स आदि के आयात का लागत बीमा भाड़ा मूल्य ई पी सी जी स्कीम के तहत आयातित प्लांट और मशीनरी के मूल्य के 10 % तक

सीमित होगा । ई पी सी जी स्कीम के तहत आयात नहीं किए गए प्लांट और मशीनरी के मामले में स्पेयर्स आदि के आयात का लागत बीमा भाड़ा मूल्य प्लांट और मशीनरी के बुक वैल्यू के 10% तक सीमित होगा ।”

3. विदेश व्यापार नीति के पैरा 9.12 में पूंजीगत माल की परिभाषा को संशोधित किया गया है और अब इसे निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

“पूंजीगत माल” का अर्थ है माल के, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष विनिर्माण या उत्पादन के लिए या सेवा अर्पित करने के लिए अपेक्षित संयंत्र, मशीनरी, उपस्कर या उपसाधित्र जिनमें प्रतिस्थापन, आधुनिकीकरण, प्रौद्योगिकी के उन्नयन या विस्तार के लिए अपेक्षित सामग्री भी शामिल है । इसमें पैकेजिंग मशीनरी और उपकरण, प्रारंभिक लाइनिंग हेतु रिफ्रेक्टरीज, प्रशीतन उपकरण, विद्युत उत्पादन करने वाले सेट, मशीन टूल्स, प्रारंभिक चार्ज और एक अनुवर्ती चार्ज के लिए उत्प्रेरक, परीक्षण, अनुसंधान और विकास, गुणवत्ता और प्रदूषण नियंत्रण के लिए उपस्कर एवं उपकरण शामिल हैं ।

पूंजीगत माल का निर्माण, खनन, कृषि, जलचर पालन, पशु पालन, पुष्य कृषि, बागवानी, मत्स्य पालन, मुर्गीपालन और रेशम-उत्पादन एवं अंगूरोत्पादन के साथ-साथ सेवा क्षेत्र में भी उपयोग में लाया जा सकता है ।”

4. विदेश व्यापार नीति के पैरा 5.3 के उप पैरा (ख) की धारा (iii) को संशोधित किया गया है और अब इसे निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:

“बैंक गारंटी (बीजी) की राशि बचाई गई शुल्क राशि के बराबर होगी। सीएसपी के विकल्प पर, किसी भी प्रयोक्ता या उनके एक समूह द्वारा अथवा सी एस पी द्वारा बैंक गारंटी दी जा सकती है ।”

5. विदेश व्यापार नीति के पैरा 5.11 के उप पैरा (क) को संशोधित किया गया है और अब इसे निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

“निर्यातोत्तर ई पी सी जी शुल्क क्रेडिट स्क्रिप (स्क्रिप्स) उन निर्यातकों के लिए उपलब्ध होगा जो लागू शुल्क का नकद में पूर्ण भुगतान करने पर पूंजीगत माल का आयात करना चाहते हैं और इस स्कीम का विकल्प लेना चाहते हैं ।”

6. इस संशोधन का प्रभाव:

विदेश व्यापार नीति में कुछ संशोधन/आशोधन किए गए हैं जो 5.6.2012 से लागू होंगे ।

[फा. सं. 01/94/180/286-एफटीपी 2012-13/ए एम-12/पी.सी. 4/पार्ट]  
अनुप के. पूजारी, महानिदेशक, विदेश व्यापार

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 26th July, 2012

No. 8 (RE-2012)/2009—2014

**Subject.—Amendment in FTP (RE-2012) (2009—2014)**

**S.O. 1707(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992, as amended, read with paragraph 1.3 of the Foreign Trade Policy, 2009—1014, the Central Government hereby amends with immediate effect para 5.2A, 9.12, 5.3 and 5.11 of Foreign Trade Policy, 2009—2014 (RE 2012).

2 Sub-Para (a) of Para 5.2 A of FTP has been amended and will now read as under:

*"Spares (including refurbished/reconditioned spares), moulds, dies, jigs, fixtures, tools, and refractory for initial lining; for existing plant and machinery (imported earlier, under EPCG or otherwise), shall be allowed to be imported under the EPCG scheme subject to an export obligation equivalent to 50% of the export obligation prescribed in para 5.1 and 5.2 above (for import of capital goods), to be fulfilled in 8 years (6 years for zero duty EPCG), reckoned from Authorization issue date. This would however be subject to the condition that the c.i.f. value of import of the above spares etc. will be limited to 10% of the value of plant and machinery imported under the EPCG scheme. In case of plant and machinery not imported under the EPCG scheme, c.i.f. value of import of the spares etc. will be limited to 10% of the book value of the plant and machinery."*

3. Definition of Capital Goods in Para 9.12 of FTP has been amended and will now read as under:

*"Capital Goods" means any plant, machinery, equipment or accessories required for manufacture or production, either directly or indirectly, of goods or for rendering services, including those required for replacement, modernisation, technological upgradation or expansion. It also includes packaging machinery and equipment, refractories for initial lining, refrigeration equipment, power generating sets, machine tools, catalysts for initial charge plus one subsequent charge, equipment and instruments for testing, research and development, quality and pollution control.*

*Capital goods may be for use in manufacturing, mining, agriculture, aquaculture, animal husbandry, floriculture, horticulture, pisciculture, poultry, sericulture and viticulture as well as for use in services sector."*

4. Clause (iii) of Sub-para (b) of Para 5.3 of FTP has been amended and will now read as under:

*"Bank Guarantee (BG) shall be equivalent to the duty saved. BG can be given by CSP or by any one of the users or a combination thereof, at the option of the CSP."*

5. Sub-Para (a) of Para 5.11 of FTP has been amended and will now read as under:

*"Post Export EPCG Duty Credit Scrip (s) shall be available to exporters who intend to import capital goods on full payment of applicable duties in cash and choose to opt for this scheme."*

6. Effect of this amendment :

Certain amendments/modifications in Foreign Trade Policy are being made which will take effect from 5.6.2012

[F. No. 01/94/180/286-FTP 2012-13/AM-12/PC 4/Pt.]

ANUP K. PUJARI, Director General of Foreign Trade